राजकीय महाविद्यालय ऊधमपुर में 10 अकतूबर 2017 को हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह मनाया गया। यह प्राचार्य प्रोफेसर एस. एस. बलवाल जी की अध्यक्षता में मनाया गया। इसकी आयोजक विभागाध्यक्ष पूजा धीमान थीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. चंचल डोगरा और सम्माननीय अतिथि श्री सुरजीत होश बडसली और डॉ. आदर्श थे।

प्राचार्य प्रोफेसर एस. एस. बलवाल,विभागाध्यक्ष पूजा धीमान, प्रोफेसर संतोष गुप्ता जी ने आये हुए अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

इसके बाद ज्योति प्रज्वलित करके कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। और प्राचार्य महोदय जी ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत भी किया।

इसके बाद विभागाध्यक्ष पूजा धीमान जी ने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि 14 सितम्बर 1949 में हिन्दी को भारत की राजभाषा घोषित किया गया और उसके बाद 14 सितम्बर हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

विभागाध्यक्ष पूजा धीमान जी ने हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत हुए कार्यक्रमों का विवरण देते हुए बताया कि 14 सितम्बर 2017 को कविता-पाठ प्रतियोगिता से इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम स्थान राहुल शर्मा(विज्ञान स्नातक पंचम सत्र), अंजू देवी (स्नातकोत्तर प्रथम सत्र), और तृतीय स्थान दो प्रतिभागियों प्रिया राजपूत (स्नातकोत्तर तृतीय सत्र) और राहुल शर्मा(स्नातकोत्तर तृतीय सत्र) को प्राप्त हुआ।

16 सितम्बर 2017 को कहानी- पाठ प्रतियोगिता करवाई गयी। इसमें 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम स्थान नेहा शर्मा (स्नातकोत्तर तृतीय सत्र), द्वितीय स्थान राहुल शर्मा (स्नातकोत्तर तृतीय सत्र), और तृतीय स्थान कान्ता देवी (स्नातकोत्तर तृतीय सत्र) को प्राप्त हुआ।

18 सितम्बर 2017 को दोहा गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राहुल शर्मा (विज्ञान स्नातक पंचम सत्र), द्वितीय स्थान अतुल पांडेय (कला स्नातक तृतीय सत्र) और तृतीय स्थान दो प्रतिभागियों सुनील कुमार(कला स्नातक तृतीय वर्ष), शिवानी सम्याल(स्नातकोत्तर तृतीय सत्र) को प्राप्त हुआ।

हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत चौथा कार्यक्रम निबंध लेखन प्रतियोगिता का हुआ। इसमें 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम स्थान राहुल शर्मा (स्नातकोत्तर तृतीय सत्र), द्वितीय स्थान रवि कुमार (कला स्नातक तृतीय सत्र), और तृतीय स्थान नीना देवी(स्नातकोत्तर प्रथम सत्र) को प्राप्त हुआ।

23 सितम्बर 2017 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गयी।इसमें 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनको चार दलों प्रसाद दल, निराला दल, पन्त दल और महादेवी दल में बाँटा गया।इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निराला दल, द्वितीय स्थान प्रसाद दल और तृतीय स्थान पन्त दल को प्राप्त हुआ।

25 सितम्बर 2017 को अंतिम कार्यक्रम नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम स्थान बिंदिया (स्नातकोत्तर तृतीय सत्र), द्वितीय स्थान लक्ष्मी देवी(स्नातकोत्तर प्रथम सत्र) और तृतीय स्थान एकता(स्नातकोत्तर प्रथम सत्र) को प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि इन सभी कार्यक्रमों में हिन्दी की सहायक प्राध्यापक संतोष गुप्ता, सांख्यिकी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुश भारती और वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. विपुल चलौत्रा ने निर्णायक गण की भूमिका निभाई।

अंत में उन्होंने हिन्दी भाषा पर लिखी हुई अपनी कुछ पंक्तिया बोलकर अपनी वाणी को विराम दिया।

इसके बाद छात्राओं ने देशभक्ति गीत " हिन्द देश के निवासी" गाया। बाद में बच्चों ने कविताएँ सुनाई, दोहे गाये। इसके पश्चात सम्माननीय अतिथि डा. आदर्श और श्री सुरजीत होश बडसली जी ने हिन्दी दिवस पर अपने विचार रखे और अपनी अपनी कविता पढ़ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. चंचल डोगरा जी ने हिन्दी पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि हिन्दी जैसे बोली जाती है वैसे ही लिखी जाती है। इसकी लिपि वैज्ञानिक है। इसके भविष्य के लिये चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। अंग्रेज़ी में संक्षिप्तकरण हो रहा है जिसकी वजह से उसके बहुत से शब्द लुप्त होते जा रहे हैं। पर हिन्दी के शब्दों को संक्षिप्त नहीं किया जा सकता इसलिये इनके लुप्त होने का कोई डर नहीं है। अंत में उन्होंने अपनी बहुत ही सुंदर कविता बोलकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. चंचल डोगरा, सम्माननीय अतिथियों ने प्रतिभागियों को पुरस्कार दिये और उन्हें बधाई भी दी। इसके बाद प्राचार्य महोदय, हिन्दी विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर संतोष गुप्ता जी ने आये हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अंत में हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. एकता रानी ने आये हुए अतिथियों और सभी महानुभावों का धन्यवाद किया और आशा जताई कि भविष्य में भी सब का सहयोग हिन्दी विभाग को ऐसे ही मिलता रहेगा। इस कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने के लिये हिन्दी विभाग के सभी प्राध्यापकों का सहयोग रहा।